p>

Title: Request to government to give compensation to farmers whoes crops are damaged by wild animals.

**श्री श्याम सिंह यादव (जौनपुर):** सभापति जी, धन्यवाद ।

महोदय, हिन्दुस्तान में दो चीजों से लोग बहुत परेशान हैं । एक, छुट्टा आदमियों से और दूसरा, छुट्टा पशुओं से । हमारे संसदीय क्षेत्र जौनपुर में, खासतौर से किसान छुट्टा पशुओं से बहुत तंग आ चुके हैं । फसलों के नष्ट हो जाने से किसान भुखमरी के कगार पर आ गए हैं । छुट्टा पशुओं की बढ़ती हुई संख्या ने महामारी का रूप ले ली है । किसान महंगे खाद, बीज खरीद कर जुताई कर खेत में डालता है, रात-दिन मेहनत करके, ऊंची लागत लगाकर फसल बोता है, लेकिन बीज बोने के बाद ही छुट्टा पशुओं का झुण्ड खेत में जाकर पूरी खेती को तहस-नहस कर देता है । स्थानीय प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है । अपितु, इन छुट्टा पशुओं की आड़ में सरकारी कर्मचारी भी मालामाल हो रहे हैं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जिन किसानों की फसलें नष्ट हो जाती हैं, उसकी जांच कराकर उन्हें वाजिब मुआवजा दिलाया जाए ।